

सृजनात्मकता एक मानसिक योग्यता है। इसके क्षेत्र में वैज्ञानिकों का अभिप्राय है।

- ① सृजनात्मकता का अध्ययन कर रहे हैं।
- ② प्राचीन काल से लोग ऐसा विश्वास करते चले आ रहे हैं कि सृजनात्मकता का मापन वैज्ञानिकता से होनी है। अतः बालक में सृजनात्मकता को विकसित करने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है।
- ③ सृजनात्मकता की योग्यता कभी कुछ ही लोगों में होती है।

सृजनात्मकता का मापन (Spelmann 1930) के अध्ययन से प्रारम्भ हुआ। लेकिन आधुनिक समय में उसके मापन का क्षेत्र टॉरेस टेलर और रिगलफोर्ड आदि मनोवैज्ञानिकों का है।

Meaning of Creativity → 146:

सृजनात्मकता की विशेषताएँ या लक्षण →

ट्रॉक (1990) के अनुसार - सृजनात्मकता का कुछ लक्षण विशेषताएँ निम्न प्रकार से हैं।

- ① सृजनात्मकता एक प्रक्रिया या योग्यता है। यह उत्पादन नहीं है।
- ② सृजनात्मकता की प्रक्रिया लक्ष्य निर्देशित (Goal Directed) होती है।

यह या तो व्यक्ति के लिए लाभदायक होती है।
अथवा यह समूह या समाज के लिए लाभदायक होती है।

3. सृजनात्मकता या मौखिक हो या लिखित या मूर्ति हो या अभूत, प्रत्येक अवस्था में व्यक्ति के लिए यह अभूतपूर्व (unique) होती है। यह किसी नए और नियु उत्पादन का मार्ग निर्देशन करती है।
4. सृजनात्मकता वास्तुकी या आपत्ति चिन्तन (Divergent thinking) के फलस्वरूप उत्पन्न होती है।
5. यह चिन्तन का एक रूप है। यह कुट्टि का पर्याय नहीं है।
6. सृजन (creation) की योग्यता मान्य ज्ञान (Accepted knowledge) के अज्ञान पर आधारित है।
7. सृजनात्मकता एक तकनीक को नियंत्रित करती है। जिससे मिनि व मिनि उपलब्ध का निर्देशन प्राप्त होता है।